प्रश्न :→ मनोवृति या अभिवृति (Attitude) को परिभाषित करें तथा इसकी विशेषताओं का उल्लेख करें।

ANSWER:→ प्रत्येक व्यक्ति का अपना मानसिक दृष्टिकोण होता है। वह वस्तुओं को अपनी दृष्टिकोण से देखता है। वस्तुओं के प्रति इसी पूर्वधारणा को मनोवृति कहते हैं। मनोवृत्ति का अर्थ स्पष्ट करने हेतु अनेक मनोवैज्ञानिकों ने इसे परिभाषित किया है। कुछ समाजशास्त्रियों का विचार है कि मनोवृति वह मानसिक वृति है जो व्यक्ति की परिस्थितियों को निर्देशित करती है। आलपोर्ट ने मनोवृत्ति को परिभाषा देते हुए लिखा है; "मनोवृत्ति अनुभूतियों द्वारा संगठित एक मानसिक तथा स्नायुविक तत्परता है।"

उपरोक्त परिभाषा से स्पष्ट होता है कि मनोवृत्ति अनुभूतियों द्वारा निर्धारित होती है; यह व्यक्ति को उन परिस्थितियों एवं वस्तुओं की ओर कार्य के लिए प्रेरित करती है; जिसके साथ वह संबंधित रहता है। मनोवृति के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए क्रेच तथा क्रेच फिल्ड ने कहा है "मनोवृत्ति प्रेरणात्मक, संवेगात्मक, ज्ञानात्मक प्रतिक्रियाओं का चिरस्थायी संगठन है जिसका संबंध व्यक्ति के सामाजिक वातावरण के कुछ पहलुओं से रहता है।"

इस परिभाषा में व्यक्ति की प्रेरणा, संवेग, प्रत्यक्षात्मक तथा ज्ञानात्मक प्रक्रियाओं पर बल दिया गया है। प्रत्येक मनोवृत्ति के पीछे कोई एक लक्ष्य रहता है; उसी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए व्यक्ति क्रिया करता है। जिस वस्तु के प्रति हमारी मनोवृत्ति अनुकूल होती है। उसके प्रति हम प्रेम, अभिरुचि, स्वीकृति, इच्छा आदि प्रकट करते हैं तथा जिसके प्रति हमारी मनोवृति अनुकूल होती है उसके प्रति हम प्रेम, अभिरुचि, स्वीकृति, इच्छा आदि प्रकट करते हैं तथा जिसके प्रति मनोवृत्ति प्रतिकूल रहती है उसके प्रति अविश्वास, घृणा, अनिच्छा, अस्वीकृति आदि प्रदर्शित करते हैं।

मनोवृत्ति की विशेषताएँ [Characteristics ~~of~~ attitudes] →

(1) मनोवृति जन्मजात नहीं होती है:→ मनोवृत्ति जन्मजात नहीं होती है; बल्कि किसी वस्तु, व्यक्ति, परिस्थिति के सम्बन्ध में सीखी जाती है।

(2) मनोवृत्ति अधिक या कम मात्रा में स्थायी होती है:→ मनोवृत्ति को व्यक्ति समाज में सीखता है और परिवर्तित भी होता

जो होता है, परन्तु जब तक वह रहती है तबतक स्थायी रहती है।

(3) मनोवृत्ति हमेशा किसी व्यक्ति या वस्तु से संबंध रखती है।:→ मनोवृत्ति हमेशा किसी संदर्भ में होती है। इसके लिए कोई-न-कोई वस्तु, परिस्थिति या व्यक्ति होना चाहिए, जिसके संबंध मनोवृत्ति में होगी।

(4) किसी मनोवृत्ति में संदर्भकों की संख्या कम या अधिक हो सकती है।:→ किसी मनोवृत्ति की संदर्भ वस्तुएँ कम या अधिक हो सकती है। जैसे, एक व्यक्ति निग्रों का बुरा मानता है, तो वह प्रत्येक निग्रों को बुरा मानेगा। इस प्रकार इसमें सामान्यीकरण की प्रक्रिया अधिक होती है।

(5) मनोवृत्ति प्रेरणात्मक एवं भावात्मक होती है:→ मनोवृत्ति में प्रेरणात्मक एवं भावात्मक विशेषताएँ होती हैं। जैसे:- ईश्वर के प्रति मनोवृत्ति में प्रेरणात्मक एवं भावात्मक दोनों विशेषताएँ पायी जाती है।

(6) मनोवृत्ति व्यक्ति के व्यवहार को दिशा प्रदान करती है:— व्यक्ति मनोवृत्ति के अनुसार ही व्यवहार करता है। यदि हमें किसी व्यक्ति के मनोवृत्ति का ज्ञान हो तो हम उसके व्यवहार की भविष्यवाणी कर सकते हैं कि उस वस्तु या परिस्थिति के प्रति वह क्या व्यवहार करेगा, क्योंकि व्यक्ति मनोवृत्ति के निर्देशन में व्यवहार करता है।

Scanned with OKEN Scanner